

herewith the Appropriation (Vote on Account) Bill, 1966, which was passed by the Lok Sabha at its sitting held on the 18th March 1966, and transmitted to the Rajya Sabha for its recommendations and to state that this House has no recommendations to make to the Lok Sabha in regard to the said Bill".

12.32½ hrs.

PRESIDENT'S ASSENT TO BILL

Secretary: Sir, I lay on the Table the Indian Tariff (Amendment) Bill, 1966, passed by the Houses of Parliament during the current Session and assented to by the President since a report was last made to the House on the 15th February, 1966.

12.33 hrs.

ESTIMATES COMMITTEE

NINETY-SECOND REPORT

Shri A. C. Guha (Barasat): I beg to present the Ninety-second Report of the Estimates Committee on the Ministry of Transport-Mormugao Port.

BUSINESS OF THE HOUSE

The Minister of State in the Department of Parliamentary Affairs and Communications (Shri Jaganatha Rao): On behalf of Shri Satya Narain Sinha and with your permission, Sir, I rise to announce that Government Business in this House for the week commencing 28th March, 1966, will consist of:

- (1) Consideration of any item of Government Business carried over from today's Order Paper.
- (2) Discussion and voting of the Demands for Grants relating to the Ministries of:

**Law
Parliamentary Affairs**

**Works, Housing and Urban
Development**

**Petroleum and Chemicals
Transport and Aviation.**

श्री स० मो० बनर्जी (कानपुर) : अध्यक्ष महोदय, मैं दो बातें कहना चाहता हूँ। एक घण्टे का डिस्कशन हम ने काफ़ी दिनों से दिया हुआ है। लोकुर कमेटी की रिपोर्ट पर जो सवालाल किये गए थे, हम उस के बारे में घाघ-घटे का डिस्कशन चाहते हैं। कांस्टीट्यूएन्सीज का डीलमि-टेशन हो रहा है और शिड्यूलड कास्ट्स की सीटों का फ़ैसला हो रहा है। रिजल्ट यह हो रहा है कि कानपुर और कई दूसरी ज़ैनेरल कांस्टीट्यूएन्सीज को शिड्यूलड कास्ट्स की कांस्टीट्यूएन्सी बनाया जा रहा है।

अध्यक्ष महोदय : जहाँ तक हाफ़ एन-घावर डिस्कशन का ताल्लुक है, उस के बारे में माननीय सदस्य मुझे लिखें। इस वक़्त मिनिस्टर साहब ने जो स्टेटमेंट दिया है, अगर माननीय सदस्य उस के बारे में कुछ कहना चाहते हैं, तो कहें।

श्री स० मो० बनर्जी : मैं प्राप से निवेदन करला चाहता हूँ।

अध्यक्ष महोदय : मुझ से निवेदन करने का यह वक़्त नहीं है। मिनिस्टर साहब के स्टेटमेंट के बारे में जो कुछ कहना चाहते हैं, वह कहिए।

श्री स० मो० बनर्जी : बंगाल में खास तौर पर फ़ूड सप्लाई के बारे में कुछ ऐसी स्थिति फिर उत्पन्न हो गई है कि

अध्यक्ष महोदय : माननीय सदस्य बतायें कि अगले हफ़्ते वह कौन सा प्राइम डिस्कशन के लिए चाहते हैं।

श्री स० मो० बनर्जी : बंगाल के चीफ़ मिनिस्टर ने कह दिया है कि बातचीत करने से कोई फल नहीं निकला है। सुना जाता है

कि राशनिंग का कोटा बढ़ा दिया गया है । इस बात की कोशिश की जानी चाहिए कि बंगाल में दोबारा गड़बड़ न हो । इसलिए मैं चाहता हूँ कि फूड मिनिस्टर साहब भ्रगले हफ्ते बंगाल की फूड सिचूएशन के बारे में एक स्टेटमेंट दें ।

श्री हुकम चन्व कछवाय (देवास) : ताशकंद समझौते के बाद से राजस्थान और पंजाब की सीमाओं पर पाकिस्तानी सेनायों काफ़ी भारी मात्रा में जमा हो रही हैं । क्या सरकार उस स्थिति के बारे में हाउस में कोई चर्चा करने के पक्ष में है ?

अध्यक्ष महोदय : भ्रगर इस बारे में किसी मोशन का नोटिस दिया गया है और वह मंजूर हो चुका है और उस को ध्राना है, तब तो माननीय सवस्य यह सवाल कर सकते हैं, वर्ना नहीं ।

श्री हुकम चन्व कछवाय : दूसरी बात मैं यह कहना चाहता हूँ कि इस हाउस में कोरम के बारे में जो रोज़ का संकट बना रहता है, क्या सरकार उस के बारे में कोई विधान लायेगी ।

श्री मधु लिषये (मुंगेर) : मानोपलीज कमिशन की रपट के बारे में कई माननीय सदस्यों ने प्रस्ताव पर अपने नाम दिये हैं । जो समिति इन प्रस्तावों पर विचार करती है, उस ने भी इस को मंजूर किया है । मैं यह जानना चाहता हूँ कि क्या भ्रगले शुक्रवार को सरकारी कार्य में एकाधिकार आयोग की रपट पर चर्चा का समावेश किया जायेगा ।

डा० राम मनोहर लोहिया (फ़र्रुखाबाद) : अध्यक्ष महोदय, आप के दफ़तर से मुझे पता चला कि आप ने संयुक्त राष्ट्रीय शिक्षा, विज्ञान, संस्कृति संस्था—यूनेस्को—द्वारा छपी गई किताब "मनुष्य का इतिहास" को ले कर एक घाघ घंटे की बहस के लिए

शिक्षा मंत्री को बहुत भ्ररसा पहले लिखा था, क्योंकि इस बारे में किये गये सवालों के उन के जवाब कुछ भ्रधूरे या भ्रसत्य रहे । भ्रभी तक वह बहस मुझे नहीं मिल रही है । वह बहस बहुत भ्रच्छी होगी इतिहास शास्त्र की दृष्टि से । उस के भ्रलावा पहली दफ़ा लोक सभा में कोई निखालिस विद्वत्ता की बहस होगी । भ्रगर उस को जल्दी लाया जाये, तो भ्रच्छा हो ।

अध्यक्ष महोदय : बहुत बेहतर ।

Shri Jaganatha Rao: I am called upon only to answer Mr. Limaye's question about the Monopolies Commission. As has been stated already, we can consider taking it up only when any motion or resolution is admitted by you, and that too only after the financial business is over, not earlier.

Mr. Speaker: The food situation might also be considered.

Shri Jaganatha Rao: The Food Demands will come up on the 11th and 12th.

Mr. Speaker: They say it will be after a long time. Some statement might be made.

Shri Jaganatha Rao: I will convey it to the Food Minister.

श्री के० दे० मालवाय (वस्ती) : अध्यक्ष महोदय, . . .

Shrimati Renu Chakravartty (Barackpore): May I submit to you that in West Bengal there has been a charge made that the promises which have been made by the Centre have not been fulfilled? This is clearly stated? Now, on this question we are in a very great quandary as to what the position is. The Central Government must make it clear because the State Government has stated that what you have promised you have not given them, and the quantum they

have promised today, 24 hours ago they said they could not give, so that the whole question must be cleared.

Shri Jaganatha Rao: I will convey it to the Food Minister, and I think he will make a statement as early as possible.

श्री बागड़ी (हिमार) : अध्यक्ष महोदय, मैं बड़े अदब के साथ आप को श्रीर इस सदन को इज्जिल देने के लिए खड़ा हुआ हूँ कि इस सदन के माननीय सदस्य, श्री बुद्ध प्रिय मोर्य, लोक सभा में संयुक्त ममाजवादी दल में शामिल हो गए हैं।

श्री के० बे० मालवीय : अध्यक्ष महोदय, मैं सरकार से यह जानना चाहता हूँ कि

अध्यक्ष महोदय : इस वक्त कोई जैनेरल सवाल नहीं हो सकते हैं।

श्री के० बे० मालवीय : मैं मानोपलीज कमिशन के बारे में जानना चाहता हूँ, जिस का डिक्र अभी किया गया है।

अध्यक्ष महोदय : उस के बारे में जवाब आ गया है।

श्री के० बे० मालवीय : जवाब से यह साफ़ नहीं हुआ है कि क्या सरकार मानोपलीज कमिशन की रिपोर्ट पर बहम के लिए तयार है।

अध्यक्ष महोदय : जब मैं एक श्रीर आइटम को भी ले चुका हूँ, तब माननीय सदस्य पूछ रहे हैं।

श्री के० बे० मालवीय : मैं पहल ही खड़ा हुआ था।

अध्यक्ष महोदय : मेरी शलती हो गई।

श्री के० बे० मालवीय : गालिबन आप की ही शलती हो गई है।

अध्यक्ष महोदय : बहुत दफा हो जाती है। उसे सहार लेना चाहिए।

श्री के० बे० मालवीय : जब हमारी शलती होती है, तो आप पकड़ लेते हैं।

12.37 hrs.

DEMANDS* FOR GRANTS—contd.

MINISTRY OF COMMERCE—contd.

Mr. Speaker: How long would the Minister take for his reply?

The Minister of Commerce (Shri Manubhai Shah): About 40 minutes.

Mr. Speaker: One hour and 35 minutes are there. That means that by 2 O'Clock we must finish. At 1-15 I shall call him.

Shri Sheo Narain.

श्री शिव नारायण (बांसी) : अध्यक्ष महोदय, मैं कल सरकार से यह निवेदन कर रहा था कि देश की खेती की डेवेलपमेंट के लिए छोटे-छोटे इम्प्लीमेंट्स श्रीर प्रोजार, जैसे ट्रैक्टर वगैरह, मंगाए जाने चाहिए। सिचाई के साधन उपलब्ध करने के लिए हमें छोटी-छोटी मशीनें मंगानी चाहिए, नाकि हम तालाबों से पानी निकाल कर सिचाई का काम कर सकें। अगर देश इंडस्ट्री का डेवेलपमेंट कर सकता है, तो वह खेती को विकसित श्रीर उन्नत करके ही कर सकता है। यदि सिचाई के लिए छोटी छोटी पम्पिंग मशीनें हम को दे दी जाये, तो हम अपने गांवों में फूड प्राबलम को हल कर सकते हैं।

आज बंगाल के लोगों की तरफ से फूड के बारे में आवाज उठाई जानी है। हर छठ सानबे दिन यह सवाल यहां पर आता है। सिचाई की व्यवस्था करने पर यह बड़ी प्राबलम हल हो सकती है। आज शिकायत यह है कि पानी तो है, लेकिन किसान उस पानी को उठा कर अपने खेतों में नहीं पहुंचा सकते। हमारे काममें मिनिस्टर जापान श्रीर दूसरे कंट्रीज में जाने हैं, जहां छोटे छोटे इम्प्लीमेंट्स देखने को मिलने हैं। मैं

*Moved with the recommendation of the President.

3007 (ai) LS—6.